



## महिला टी20 विश्व कप : ब्रिटेन के पहले टी20 शतक से दक्षिण अफ्रीका ने नीदरलैंड को 88 रन से हराया

ब्रिस्टल

ताजमिन ब्रिस्टल के शानदार पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक और गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 के ग्रुप ए मुकाबले में भारतीय नीदरलैंड को 88 रन से करारी शिकस्त दी।

इस जीत के साथ दक्षिण अफ्रीका ने सेमीफाइनल की उम्मीदें मजबूत करते हुए चार मैचों में छह अंक हासिल कर लिए और अंक तालिका में भारत के बराबर पहुंच गया। हालांकि बेहतर नेट रन रेट के कारण भारत अभी भी दूसरे स्थान पर बना हुआ है।

टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए दक्षिण अफ्रीका ने निर्धारित 20 ओवर में एक विकेट पर 208 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। सलामी बल्लेबाज ताजमिन ब्रिस्टल ने नाबाद 114 रन की विस्फोटक पारी खेली, जबकि कप्तान लारा वोल्वार्ट ने 45 और

एनेरी डर्कसन ने मात्र 16 गेंदों में 37 रन बनाकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। ब्रिस्टल और वोल्वार्ट ने पहले विकेट के लिए 121 रन की साझेदारी की।

209 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी नीदरलैंड ने तेज शुरुआत की और पावरप्ले में बिना विकेट खोए 50 रन बना लिए। फीबे मोल्केनबोअर ने 41 और सान्या खुराना ने 36 रन बनाए, लेकिन इसके बाद पूरी टीम लड़खड़ा गई।

दक्षिण अफ्रीका की गेंदबाजी के सामने नीदरलैंड की पारी 20 ओवर में आठ विकेट

पर 120 रन तक ही सिमट गई। अयाबोंगा खाका ने तीन विकेट लिए, जबकि क्लोई ट्रायन ने दो बल्लेबाजों को आउट किया।

इस जीत के बाद ग्रुप ए से दूसरे सेमीफाइनलिस्ट की लड़ाई और भी रोमांचक हो गई है। इंग्लैंड पहले ही अंतिम चार में जगह बना चुका है।

दक्षिण अफ्रीका अपने अंतिम लीग मुकाबले में 28 जून को बांग्लादेश से भिड़ेगा, जबकि उसी दिन भारत का मुकाबला मजबूत आस्ट्रेलियाई टीम से होगा, जो सेमीफाइनल की तस्वीर तय करेगा।

### न्यूज़ ब्रीफ

एफआईएच प्रो लीग: शूटआउट में इंग्लैंड ने भारत को हराया



लंदन। एफआईएच प्रो लीग 2026 के यूरोपीय दौर में भारतीय पुरुष हॉकी टीम को गुरुवार को मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ कड़े मुकाबले में शूटआउट में 1-4 से हार का सामना करना पड़ा। निर्धारित समय तक मुकाबला 2-2 से बराबरी पर रहा, लेकिन शूटआउट में इंग्लैंड ने बोनस अंक अपने नाम कर लिया। भारत के लिए दिलीप सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 10वें और 58वें मिनट में दो गोल दागे। वहीं इंग्लैंड की ओर से डेविड गुडफ्रील्ड ने 29वें मिनट और निकोलस बंडुराक ने 56वें मिनट में गोल किए। मुकाबले की शुरुआत भारत ने आक्रामक अंदाज में की। 10वें मिनट में मनदीप सिंह के शानदार पास पर दिलीप सिंह ने डाइव लगाकर गेंद को गोल में पहुंचाते हुए भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। दूसरे क्वार्टर में भारत बढ़त दोगुनी करने के करीब पहुंचा, लेकिन इंग्लैंड के रक्षक थामस सोर्सबी ने गोल लाइन पर शानदार बचाव किया। इसके बाद 29वें मिनट में डेविड गुडफ्रील्ड ने फ्रीड गोल कर इंग्लैंड को 1-1 की बराबरी दिला दी। तीसरे क्वार्टर में दोनों टीमों को कई मौके मिले, लेकिन मजबूत रक्षण के चलते कोई भी गोल नहीं हो सका। चौथे और अंतिम क्वार्टर में इंग्लैंड ने लगातार दबाव बनाए रखा और 56वें मिनट में निकोलस बंडुराक ने पेनाल्टी कॉर्नर पर गोल कर टीम को 2-1 से आगे कर दिया।

फीफा विश्व कप 2026: ब्राजील का अंतिम 32 में जापान से होगा सामना



नई दिल्ली। फीफा विश्व कप 2026 के अंतिम 32 का एक और मुकाबला तय हो गया है। पांच बार की विश्व चैंपियन ब्राजील अब नाकआउट चरण में जापान से भिड़ेगा। यह मुकाबला 29 जून को अमेरिका के ह्यूस्टन स्टेडियम में खेला जाएगा, जिसकी शुरुआत भारतीय समयानुसार रात 10:30 बजे होगी। जापान ने ग्रुप एफ के अपने अंतिम मुकाबले में स्वीडन के खिलाफ 1-1 से ड्रा खेलकर चार अंक हासिल किए और नीदरलैंड के बाद दूसरे स्थान पर रहते हुए अंतिम 32 में जगह बनाई। दूसरी ओर, ब्राजील ने ग्रुप सी में दो जीत और एक ड्रा के साथ शीर्ष स्थान हासिल कर नाकआउट चरण में प्रवेश किया। ब्राजील के ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहने वाला मोरक्को अब अंतिम 32 में नीदरलैंड का सामना करेगा। ब्राजील और जापान के बीच पिछली भिड़ंत अक्टूबर 2025 में एक अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच में हुई थी, जिसमें जापान ने 3-2 से जीत दर्ज कर इतिहास रचा था। यह 14 मुकाबलों में ब्राजील के खिलाफ जापान की पहली जीत थी। हालांकि विश्व कप के इतिहास में दोनों टीमों की अब तक केवल एक बार टक्कर हुई है। वर्ष 2006 के विश्व कप में ब्राजील ने जापान को 4-1 से हराया था।

फीफा विश्व कप 2026 : जर्मनी को 2-1 से हराकर इक्वाडोर ने अंतिम 32 में बनाई जगह

न्यूयार्क। इक्वाडोर ने शानदार वापसी करते हुए जर्मनी को 2-1 से हराकर फीफा विश्व कप 2026 के अंतिम



32 में प्रवेश कर लिया। जीत की सख्त जरूरत के साथ मैदान में उतरी दक्षिण अमेरिकी टीम ने शुरुआती झटके के बावजूद दमदार प्रदर्शन करते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। जर्मनी ने मैच की शुरुआत बेहद आक्रामक अंदाज में की और दूसरे ही मिनट में लेराय साने ने गोल दागकर अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। यह किसी बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में साने का पहला गोल था। शुरुआती गोल से पिछड़ने के बाद इक्वाडोर ने लगातार हमले किए। टीम ने टूर्नामेंट में इससे पहले 39 प्रयासों के बावजूद कोई गोल नहीं किया था, लेकिन 40वें प्रयास में आखिरकार सफलता मिली। निल्सन एंगुलो ने शानदार कर्लिंग शॉट लगाकर गेंद को गोलकीपर मेनुअल नोयर के पास से जाल में पहुंचा दिया और स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। बराबरी के बाद इक्वाडोर का आत्मविश्वास बढ़ गया। मैच के 77वें मिनट में गोंजालो प्लाटा ने नजदीक से गेंद को गोल में पहुंचाकर टीम को 2-1 की निर्णायक बढ़त दिला दी। अंतिम मिनटों में जर्मनी ने बराबरी की भरसक कोशिश की, लेकिन इक्वाडोर के मजबूत रक्षण ने उसे कोई मौका नहीं दिया।

## लंदन जैनिंग सिनर विंबलडन के सेंटर कोर्ट पर उतरते ही रचेंगे इतिहास

लंदन

अगले सप्ताह 29 जून को शुरू हो रही विंबलडन टेनिस चैंपियनशिप में इटली के टेनिस स्टार जैनिंग सिनर अपना पहला मैच खेलते ही एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम करेंगे। विंबलडन में सेंटर कोर्ट पर पहला मैच खेलना टेनिस के सबसे बड़े सम्मानों में से एक माना जाता है और मौजूदा चैंपियन होने के कारण इस बार सिनर को ये सम्मान मिलेगा। वह ये सम्मान हासिल करने वाले इटली के पहले खिलाड़ी बन जाएंगे। उन्होंने पिछले साल एकल खिताब जीतकर यह अधिकार हासिल किया है कि वह अगामी 2026 चैंपियनशिप की शुरुआत करेंगे।

सिनर ने इस ऐतिहासिक अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा, मेरे लिए सेंटर कोर्ट पर खेल की शुरुआत करना रोमांचक पल होगा। यहाँ का माहौल अनोखा है, दुनिया भर के टेनिस कोर्ट पर मिलने वाले किसी भी अनुभव से बिल्कुल अलग। मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि एक दिन मैं चैंपियनशिप के पहले मैच के लिए उस लान और उस स्टेडियम में कदम रखूँगा। यह सम्मान सिनर की करियर की एक और बड़ी उपलब्धि है, जो उन्हें इटालियन टेनिस इतिहास में एक विशेष स्थान दिलाती है।

सिनर की ही तरह पोलैंड की महिला खिलाड़ी इगा स्विजातेक भी अपनी करियर की सबसे यादगार जीतों में से एक वाली जगह पर लौटेंगी और दूसरे दिन खेल की शुरुआत करेंगी। स्विजातेक के संयम और अटूट लगन की बदौलत ही वह पिछले साल वीनस रोज़वाटर डिश जीतने वाली पहली पोलिश खिलाड़ी बनीं। स्विजातेक अपनी इस बड़ी उपलब्धि को याद करते हुए कहती हैं, ट्रॉफी उठाना शब्दों से परे का अनुभव था, क्योंकि ग्राम कोर्ट के हिसाब से अपने खेल को ढालना एक लंबी प्रक्रिया रही है। मैंने अपने फुटवर्क को बेहतर बनाया, कोर्ट पर अपनी पोजीशन को लेकर ज्यादा आक्रामक होने और गेंद को जल्दी हिट करने के लिए अपनी सहज समझ पर भरोसा करने पर ध्यान दिया। मुझे इस विरासत



पावर-हिटिंग और कौशल विकास के लिए पाकिस्तानी क्रिकेटर्स को अमेरिका भेजेंगे: हेसन

लाहौर। पाकिस्तान की सीमित ओवरों की क्रिकेट टीम के मुख्य कोच माइक हेसन ने कहा है कि पाकिस्तान बोर्ड (पीसीबी) खिलाड़ियों को पावर-हिटिंग और समग्र कौशल विकास के लिए अमेरिका भेजने पर विचार कर रहा है। हेसन के अनुसार ये पहल उभरते हुए क्रिकेटर्स को नये माहौल में प्रशिक्षित कर उनकी फिटनेस और खेल को बेहतर बनाने पर केंद्रित है। साथ ही कहा कि यह पाकिस्तान क्रिकेट के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। हेसन के अनुसार इसे पाक क्रिकेट में बड़े बदलाव का प्रयास भी माना जा सकता है। हेसन ने बताया है कि बोर्ड इस मामले में बातचीत कर रहा है। कोच के अनुसार कई महीनों तक चलने वाली इस पहल का मकसद न सिर्फ खिलाड़ियों की अलग-अलग माहौल में पावर-हिटिंग क्षमता को बेहतर बनाना है, बल्कि उन प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को फिटनेस पर भी काम करना है जिनका करियर चोटों की वजह से प्रभावित हुआ है। हेसन ने कहा कि हम कुछ खिलाड़ियों को अमेरिका भेज रहे हैं। वहाँ पावर-हिटिंग की अच्छी विशेषज्ञता मौजूद है और हम कुछ विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। हमारे पास कुछ ऐसे खिलाड़ी हैं जो लंबे समय से चोटों से जूझ रहे हैं, और हम उन्हें पावर-हिटिंग के अलग-अलग तरीकों और सीखने के एक नए माहौल से परिचित कराना चाहते हैं, ताकि वे एक ही जगह पर चार महीने बिताकर कुछ नए और ताजा विचार सीख सकें हेसन ने इस बात पर भी जोर दिया कि यह प्रोग्राम सिर्फ एक मकसद के लिए नहीं, बल्कि कई मकसदों के लिए है, जिसमें खिलाड़ियों की ट्रेनिंग का तरीका बदलना भी शामिल है। इससे पहले पीसीबी के स्पোর্ट्स और एक्जिक्यूटिव डेविड डायरेक्टर, जे. जावेद मुगल ने कहा कि पेशेवर क्रिकेट में फिटनेस से कोई समझौता नहीं किया जा सकता और इसी को देखते हुए पीसीबी ने एक मजबूत, भरोसेमंद और बार-बार इस्तेमाल की जा सकने वाली ट्रेनिंग और स्पोर्ट्स प्रक्रिया तैयार की है, जिसे सभी खिलाड़ियों पर लागू किया जा रहा है। हेसन ने कहा कि यह निश्चित रूप से सिर्फ स्ट्रेथ और कंडीशनिंग तक सीमित नहीं है। उन्होंने कहा कि जावेद खिलाड़ियों की ट्रेनिंग और उनके मूल्यांकन (असेसमेंट) के तरीके को बदल रहे हैं।



महिला टी20 विश्व कप: भारतीय टीम ने बांग्लादेश को हराकर सेमीफाइनल के लिए दावेदारी मजबूत की



लंदन। सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा की आक्रामक अर्धशतकीय पारी की सहायता से भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने आईसीसी महिला टी20 विश्वकप मुकाबले में बांग्लादेश को पांच विकेट से हराकर सेमीफाइनल के लिए अपनी संभावनाएं मजबूत की हैं। इस मैच में बांग्लादेश ने भारतीय टीम को जीत के लिए 137 रनों का लक्ष्य दिया था जिसे भारतीय टीम ने केवल 16.5 ओवरों में ही पांच विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। भारतीय टीम ने इमी के साथ ही टूर्नामेंट में अपनी तीसरी जीत दर्ज की है। शेफाली वर्मा ने केवल 34 गेंदों में ही 8 चौकों और 1 छक्के की मदद से 53 रन बनाये। वहीं मध्यक्रम में जेमिमा रोड्रिग्स ने भी केवल 15 गेंदों में 26 रन बना दिये। वहीं कप्तान हरमनप्रीत कौर 13 रन बनाकर नाबाद रहीं। बांग्लादेश की ओर से रिंतु मोनी ने सबसे अधिक 2 विकेट लिए। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने चार मैचों में छह अंकों के साथ ही अंक तालिका में दूसरा स्थान हासिल किया है। अब भारतीय टीम को सीधे सेमीफाइनल में पहुंचने अंतिम मैच में आस्ट्रेलियाई टीम को हराना होगा। भारतीय टीम का ग्रुप स्तर का ये अंतिम मुकाबला रविवार को आस्ट्रेलिया से होगा। अगर भारतीय टीम आस्ट्रेलिया से हारी तो उसे अन्य टीमों के परिणामों पर निर्भर रहना होगा।

## फीफा विश्व कप : तुर्किये ने अतिरिक्त समय में गोल कर अमेरिका को 3-2 से हराया

लास एंजलिस

फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप डी के औपचारिक मुकाबले में शुरुआत को तुर्किये ने अतिरिक्त समय में किए गए निर्णायक गोल की बदौलत सह-मेजबान अमेरिका को 3-2 से हरा दिया। पहले ही ग्रुप विजेता बनकर अंतिम 32 में पहुंच चुका अमेरिका अपनी लगातार तीसरी जीत की तलाश में था, जबकि टूर्नामेंट से बाहर हो चुका तुर्किये सम्मान बचाने के इरादे से मैदान में उतरा।

अमेरिका ने मुकाबले की शानदार शुरुआत की। तीसरे मिनट में आस्टन डस्टी ने गोल कर टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। यह विश्व कप में अमेरिका के लिए दूसरा सबसे तेज गोल भी रहा।

हालांकि तुर्किये ने जल्द ही वापसी की। 10वें मिनट में स्टार खिलाड़ी अर्दा गुलर ने शानदार फिनिश करते हुए विश्व कप का अपना पहला गोल दागकर स्कोर 1-1 कर दिया।

इसके बाद 31वें मिनट में एरेन एलमाली के शानदार म्यूच पर ब्रािस अल्पर विलमाज ने गोल कर तुर्किये को 2-1 की बढ़त दिला दी। दूसरे हाफ की शुरुआत में अमेरिका ने बराबरी हासिल कर ली। 49वें मिनट में सेबास्टियन बेहाल्डर ने दमदार शॉट लगाकर स्कोर 2-2 कर दिया।



इसके बाद अमेरिका के स्टार खिलाड़ी

क्रिस्टियन पुल्लिसिक को मैदान पर उतारा गया, जिन्होंने वापसी के बाद कई अच्छे आक्रमण किए, लेकिन गोल करने में सफल नहीं हो सके।

दूसरी ओर तुर्किये भी लगातार दबाव बनाता रहा। जब मुकाबला ड्रा की ओर बढ़ता दिखाई दे रहा था, तभी अतिरिक्त समय में कान आयहान ने नजदीक से शानदार गोल दागकर तुर्किये को 3-

2 की यादगार जीत दिला दी।

हार के बावजूद अमेरिका ग्रुप डी में शीर्ष स्थान पर रहते हुए पहले ही अंतिम 32 में अपनी जगह पक्की कर चुका था और अब उसका सामना अगले सप्ताह बोलिविया एवं इजर्गोविना से होगा। वहीं, तुर्किये टूर्नामेंट से बाहर होने के बावजूद जीत के साथ अपने अभियान का समापन करने में सफल रहा।

## आयरलैंड ने पहली बार भारत को टी-20 में हराया



बेलफास्ट। मौजूदा टी-20 विश्व विजेता भारतीय टीम को आयरलैंड के खिलाफ पहली बार हार का सामना करना पड़ा। बेलफास्ट में शुरुआत को दो मैचों की श्रृंखला के पहले मुकाबले में आयरलैंड ने भारत को 34 रन से पराजित कर इतिहास रच दिया। मार्च में टी-20 विश्व कप जीतने के बाद भारतीय टीम का इस प्रारूप में यह पहला मुकाबला था, लेकिन टीम जीत के साथ शुरुआत करने में सफल नहीं हो सकी।

टास हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए आयरलैंड ने निर्धारित 20 ओवर में नौ विकेट पर 182 रन बनाए। टीम को ओर से कप्तान एवं विकेटरक्षक लॉरकन टकर ने सर्वाधिक 50 रन की पारी खेली, जबकि गैरेथ डेलानी ने 49 रन का महत्वपूर्ण योगदान दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम 18.5 ओवर में 148

रन पर सिमट गई। भारत की ओर से सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने 20 गेंदों पर 50 रन की तेज पारी खेली, लेकिन उन्हें अन्य बल्लेबाजों का अपेक्षित साथ नहीं मिल सका। युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को इस मुकाबले में पदार्पण का अवसर नहीं मिला।

भारतीय टीम की हार के पीछे कई प्रमुख कारण रहे। आयरलैंड की पारी के अंतिम चरण में भारतीय गेंदबाजों ने रन रोकने का अवसर गंवा दिया। 16वें ओवर में वॉशिंगटन सुंदर ने 19 रन खर्च किए, जबकि अगले ओवर में प्रसिद्ध कृष्णा ने 27 रन दे दिए। इन दो ओवरों में कुल 46 रन बनने से आयरलैंड ने मजबूत स्कोर खड़ा कर लिया।

क्षेत्ररक्षण में भी भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। टीम ने तीन महत्वपूर्ण कैच छोड़े, जिससे आयरलैंड के बल्लेबाजों को

बड़ी पारियां खेलने का अवसर मिला। टिम डेक्टर, लॉरकन टकर और गैरेथ डेलानी को मिले जीवनदान का लाभ आयरलैंड ने पूरी तरह उठाया।

लक्ष्य का पीछा करते समय भारत का शीर्ष क्रम पूरी तरह विफल रहा। संजू सैमसन, ईशान किशन और कप्तान श्रेयस अय्यर सस्ते में पवेलियन लौट गए। अभिषेक शर्मा के अर्धशतक के बाद भी मध्यक्रम और निचला क्रम जिम्मेदारी नहीं निभा सका। टीम के सात बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी पार नहीं कर सके और पूरी टीम 148 रन पर सिमट गई। इस जीत के साथ आयरलैंड ने दो मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बना ली है और पहली बार भारत के विरुद्ध टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में जीत दर्ज करने का कीर्तिमान अपने नाम कर लिया।